माघ मौनी अमावस्या पर टूटा कुंभ 2013 का रिकॉर्ड

4.52 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई संगम में डुबकी

● प्रयागराज / ब्यूरो

संगम की रेती पर लगने वाला माघ मेला कुछ इस तरह प्रचारित हो रहा है कि अब यहां स्नानार्थियों के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। प्रशासन का दावा है कि मौनी अमावस्या के अवसर पर रविवार रात तक चार करोड़ 52 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में पुण्य स्नान किया जबकि वर्ष 2013 के महाकुंभ (तब कुंभ) मेले की मौनी अमावस्या पर नौ फरवरी को तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के स्नान का दावा किया गया था।

मौनी के महास्नान के लिए स्नानार्थियों के आने का क्रम शनिवार रात से शुरू हुआ तो लगातार बढ़ता ही गया। शनिवार की मध्य रात्रि संगम पर घने कोहरे के बीच स्नान होता रहा, यही स्थिति रविवार की सुबह भी थी जब संगम पर घना कोहरा छाया हुआ था, श्रद्धालुओं का रेला कोहरा चीरते हुए संगम की ओर बढ़ता रहा। नौ बजे के बाद तो हर तरफ हुजूम ही दिखाई दिया। इस बीच संगम नोज पर दबाव बढ़ने लगा तो काली पांटून पुल से श्रद्धालुओं को झूंसी की ओर मोड़ना शुरू कर दिया गया।

दो दिन का आंकड़ा 2019 कुंभ से ज्यादा

स्नान के दो दिन के प्रशासन के दावों पर गौर करें तो स्नानार्थियों का आंकड़ा छह करोड़ के पार चला गया। शनिवार को प्रशासन ने शाम पांच बजे तक डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान का दावा किया था जबकि रविवार को 4 करोड़ 52 लाख की संख्या बताई जा रही है। ऐसे में दो दिनों में संख्या कुंभ 2019 के मौनी अमावस्या के स्नान के आंकड़े को भी पार कर गई। 2019 में अमावस्या के दिन पांच करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया था।

हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा तो श्रद्धालु हुए आह्लादित: सुबह 10 बजे संगम नोज पर दृश्य अलग दिखा। संगम नोज पर एक ओर श्रद्धालु पूरी आस्था के साथ स्नान कर रहे थे। किले की ओर से हेलीकॉप्टर आया और आकाश से फूल बरसाने लगा।

▶ ईरान में प्रदर्शन में 5,000 लोगों की मौत, इनमें 500 सुरक्षाकर्मी

प्रदर्शनकारी बोले, जब जरूरत थी तब ट्रम्प ने समर्थन वापस लिया

स्थानीय लोगों में गुस्सा, ट्रम्प ने प्रदर्शनकारियों को तोप का चारा बना दिया

● तेहरान/वॉशिंगटन / राज न्यूज नेटवर्क

ईरान में हाल के प्रदर्शनों के दौरान सड़कों पर उतरे कई लोगों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से उम्मीद थी कि वे उनके लिए मददगार साबित होंगे। लेकिन अब ट्रम्प के रुख में आए बदलाव को लेकर कई ईरानी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि ट्रम्प ने जो कहा और बाद में जो किया, उनके बीच बहुत बड़ा फर्क था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश छोड़ गए एक ईरानी ने कहा कि जब ट्रम्प ने यह कहा कि अब और हत्याएं नहीं होंगी, तो लोग सन्न रह गए। लोगों में गुस्सा था और वे कहते रहे कि उन्हें तोप का चारा बना दिया गया। उनका मानना था कि ट्रम्प ने उन्हें धोखा दिया और बेवकूफ बनाया।

कई लोगों का मानना है कि ट्रम्प के बयानों की वजह से लोगों को उम्मीद जागी थी और उन्होंने जान जोखिम में डालकर प्रदर्शन किया, लेकिन जब सबसे ज्यादा जरूरत थी तब अमेरिका का समर्थन खत्म हो गया। ईरान में 28 दिसंबर से जारी हिंसक प्रदर्शन में अबतक 5,000 लोगों की मौत हो गई। इनमें करीब 500 सुरक्षाकर्मी शामिल है। एक ईरानी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर रॉयटर्स को यह जानकारी दी है।

ईरान में लाशों के ढेर से खोजा बेटी का शव

ईरान में फैशन की पढ़ाई कर रही 23 साल की एक कॉलेज की छात्रा को ईरानी सुरक्षा बलों ने 8 जनवरी को गोली मार दी थी। घटना की जानकारी अब सामने आई है। छात्रा की मां को लाशों के ढेर के बीच अपनी बेटी की बॉडी ढूंढनी पड़ी। रिपोर्ट के मुताबिक छात्रा रूबिना अमिनियन को ईरानी सुरक्षाबलों की गोली सीधे सिर के पीछे लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। रूबिना की मौत के एक सप्ताह बाद भी परिवार ने रीति रिवाज से उसका अंतिम संस्कार नहीं किया है। सुरक्षा बलों से बचने के लिए उसके शव को चोरी से सड़क के किनारे गड्ढे में ही दफना दिया। वहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार ये माना कि पिछले 28 दिसंबर से जारी प्रदर्शनों के दौरान हजारों लोग मारे गए।

छात्रा की दोस्त ने परिवार को दी मौत की सूचना

घटना के समय रूबिना की मां करमनशाह शहर में थीं, जो तेहरान से लगभग 460 किलोमीटर दूर है। रूबिना की मां को उसके दोस्तों ने फोन कर बताया कि उन्हें गोली लग गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, वे सब 8 जनवरी को कॉलेज से घर लौट रहे थे, तभी प्रदर्शन दिखाई दिया और वे उसमें शामिल हो गए। ईरानी एजेंट राइफल और शॉटगन का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर रहे थे। इस दौरान सुरक्षा बलों की गोली रूबिना के सिर के पीछे लगी। जानकारी मिलते ही रूबिना की मां अमीना नोरेई तुरंत तेहरान रवाना हुईं। वहां उन्होंने बेटी की बॉडी ढूंढी। रूबिना राजनीतिक या सक्रिय गतिविधियों में शामिल नहीं थीं।

ग्रीनलैंड: ट्रम्प के विरोध में हजारों सड़कों पर उतरे

कहा- हमारा देश बिकाऊ नहीं, अमेरिका के साथ ट्रेड एग्रीमेंट रोकने की तैयारी में यूरोपीय संघ

● नुउक / राज न्यूज नेटवर्क

ग्रीनलैंड में ट्रम्प के विरोध में शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। लोगों ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर दिए बयानों पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने 'ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है' के नारे लगाए। बर्फीली सड़कों के बीच प्रदर्शनकारी ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक के डाउनटाउन से अमेरिकी वाणिज्य दूतावास तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय झंडे लहराए और विरोधी पोस्टर थामे रहे।

पुलिस के मुताबिक यह अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है, जिसमें नुउक की लगभग एक-चौथाई आबादी शामिल हुई। इसी दौरान अमेरिका ने यूरोप के 8 देशों पर 10 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ये देश ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की धमकी का विरोध कर रहे थे। इससे ग्रीनलैंड के लोगों में ट्रम्प को लेकर गुस्सा और बढ़ गया। दूसरी ओर यूरोपीय संघ (ईयू) के सांसद अमेरिका के साथ हुए ट्रेड एग्रीमेंट की मंजूरी रोकने की तैयारी में हैं।

ईयू में अमेरिकी उत्पादों पर 0 फीसदी टैरिफ की होल्ड करने की मांग

मैनफ्रेड वेबर ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईपीपी व्यापार समझौते के पक्ष में था, लेकिन ट्रम्प की ग्रीनलैंड धमकियों के कारण अब मंजूरी संभव नहीं। उन्होंने अमेरिकी उत्पादों पर 0 फीसदी टैरिफ को होल्ड करने की बात कही। यूरोपीय संसद के अन्य समूह भी समझौते को फ्रीज करने की मांग कर रहे हैं। अगर फैसले को लेकर सहमति बनती है, तो समझौता रुक सकता है। ट्रेड वॉर से बचने के लिए ईयू ने अमेरिका से समझौता किया था।

काठमांडू के महापौर बालेंद्र शाह 'बालेन' ने दिया पद से इस्तीफा

● काठमांडू / राज न्यूज नेटवर्क

काठमांडू महानगर के महापौर बालेंद्र शाह 'बालेन' ने नेपाल में पांच मार्च को होने वाला संसदीय चुनाव लड़ने के लिए रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। महापौर पद से औपचारिक रूप से इस्तीफा देने के बाद, बालेन रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में शामिल हो गए, जिसने उन्हें अपना पीएम पद का उम्मीदवार घोषित किया है।

केपी ओली के खिलाफ लड़ेंगे चुनाव

बालेन के करीबी सूत्रों के अनुसार, वह पूर्वी नेपाल के कोशी प्रांत के झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से आम चुनाव लड़ रहे हैं, जहां वह 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी)' के अध्यक्ष और हाल में प्रधानमंत्री के पद से अपदस्थ हुए के पी शर्मा ओली को चुनौती देंगे। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ युवाओं के नेतृत्व वाले 'जेन जेड' समूह के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद, ओली ने नौ सितंबर को पीएम पद से इस्तीफा दे दिया था।

ओली के इस्तीफे के बाद, 'जेन जेड' युवाओं ने पूर्व रैप गायक से नेता बने बालेन से कार्यवाहक सरकार की बागडोर संभालने का अनुरोध किया था। लेकिन उन्होंने यह कहते अंतिरम सरकार की अगुवाई करने से इनकार कर दिया था कि इसके बजाय वह चुनाव लड़कर पूर्ण कार्यकाल के लिए सरकार का नेतृत्व करेंगे। तब पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की को 12 सितंबर को अंतरिम सरकार में प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। बालेन को काठमांडू में व्यापक सुधार कार्यक्रमों और महानगर के सौंदर्यीकरण का श्रेय दिया जाता है।

नागपुर में गोला-बारूद फैक्ट्री शुरू आर्मेनिया को पिनाका रॉकेट रवाना

● नागपुर/ आरएनएन

महाराष्ट्र के नागपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड की नई मीडियम कैलिबर एम्युनिशन फैक्ट्री का उद्घाटन किया। यह फैक्ट्री पूरी तरह ऑटोमेटेड है, जहां 30 मिमी गोला-बारूद बनाया जाएगा, जिसका इस्तेमाल भारतीय सेना और नौसेना करती हैं। इस दौरान उन्होंने उस समय को याद किया जब गोला-बारूद की कमी ने देश की रक्षा तैयारियों को बाधित किया था और सरकार ने इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता को महसूस किया था।

इस मौके पर राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री ने पिनाका रॉकेट निर्माण संयंत्र का भी दौरा किया और पिनाका रॉकेट्स की पहली खेप आर्मेनिया के लिए रवाना की।

निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 50 फीसदी या ज्यादा हो

राजनाथ सिंह ने कहा कि आने वाले समय में सरकार चाहती है कि रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत या उससे ज्यादा हो। उन्होंने साफ कहा कि निर्माण और रिसर्च में निजी कंपनियों की भागीदारी आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र को मजबूत करने और घरेलू विक्रेताओं को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्वदेशी हथियारों ने अपनी ताकत दिखाई।

गाजा पीस बोर्ड में भारत भी निभाएगा खास भूमिका

● वॉशिंगटन / राज न्यूज नेटवर्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में गाजा में कराए गए शांति समझौते के दूसरे चरण के के लिए गाजा पीस बोर्ड की स्थापना की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक भारत को भी इसमें शामिल करने के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प ने नई दिल्ली को प्रस्ताव भेजा है।

हालांकि, अभी तक इस मुद्दे को लेकर भारत सरकार या फिर यूएस सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस बोर्ड में शामिल होने के लिए पाक को भी निमंत्रण भेजा गया है, शरीफ सरकार ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस बोर्ड में शामिल होने के लिए करीब 60 देशों को निमंत्रण भेजा है। ज्यादातर देशों ने फिलहाल इस निमंत्रण पत्र पर अपनी चुप्पी साध रखी है। केवल इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने इसे खुले तौर पर स्वीकार करते हुए कहा कि उनका देश अपने हिस्से का योगदान देने के लिए तैयार है। दूसरी तरफ कनाडा के प्रधानमंत्री मार्को कार्नी से जब इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह सैद्धांतिक रूप से ट्रम्प के गाजा पीस बोर्ड को अपना समर्थन देते हैं। लेकिन इसमें शामिल होना है या नहीं इस पर अभी बातचीत जारी है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने बोर्ड में शामिल होने 60 देशों को भेजा निमंत्रण

आज का इतिहास

- 1883 : नार्थ सी में जर्मन स्टीमर सिंब्रिया और ब्रिटिश स्टीमर सुलतान के बीच टक्कर से 340 लोगों की मौत।
- 1905 : हिन्दू दार्शनिक देबेन्द्रनाथ टैगोर ने अंतिम सांस ली।
- 1907: पहला फिल्म रिव्यू वैराइटी मैगजीन में छपा।
- 1919: मशहूर उर्दू शायर कैफ़ी आज़मी का जन्म हुआ।
- 1942 : जापान की सेना ने बर्मा की राजधानी रंगून से 235 मील दक्षिण पूर्व में स्थित तटीय बंदरगाह तिवोय पर कब्जा किया।
- 1966 : तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मौत के बाद इंदिरा गांधी को भारत का प्रधानमंत्री बनाया गया।
- 1968 : कोलंबिया और सोवियत संघ के बीच 20 वर्ष के अंतराल के बाद राजनयिक संबध बहाल।

अमेरिकी भारत में AI के लिए क्यों पेमेंट कर रहे : नवारो

● वाशिंगटन/ राज न्यूज नेटवर्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एक बार फिर भारत पर सवाल उठाए हैं। इस बार उन्होंने कहा कि जब चैटजीपीटी जैसे एआई प्लेटफॉर्म अमेरिका में काम कर रहे हैं, तो अमेरिकी लोग भारत में एआई सेवाओं के लिए पैसा क्यों दे रहे हैं।

नवारो ने यह बात पूर्व व्हाइट हाउस रणनीतिकार स्टीव बैनन के साथ 'रियल अमेरिका वॉइस' पर एक इंटरव्यू में कही। नवारो ने कहा कि ढ्ढ प्लेटफॉर्म अमेरिका की जमीन पर बनाए और चलाए जा रहे हैं और इनमें अमेरिकी बिजली का इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन इनके बड़े उपयोगकर्ता भारत, चीन और दुनिया के दूसरे देशों में हैं। उन्होंने इसे व्यापार से जुड़ा एक मुद्दा बताया और कहा कि इस पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। उनके ये बयान ऐसे समय आए हैं जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापार को लेकर तनाव बना हुआ है। दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर कई दौर की बातचीत हुई है। इसके बावजूद ट्रम्प ने भारत से आने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। अमेरिका का कहना है कि भारत अब भी रूस से तेल खरीद रहा है, इसलिए यह कदम उठाया गया।

पहले भारत को टैरिफ महाराज बताया था

गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय छठा तल, बी बिल्डिंग, गंगा टून्स, लोहेगांव, पुणे, महाराष्ट्र 411014
शाखा कार्यालय इकाई: प्रथम तल, कोटक महिंद्रा बैंक के ऊपर, एमजी रोड, शुजालपुर, मध्य प्रदेश – 465333

ई–नीलामी – बिक्री सूचना
सरफेसी अधिनियम के तहत सुरक्षित अचल संपत्तियों का बिक्री

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (''अधिनियम'') के अंतर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु ई–नीलामी बिक्री सूचना, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 और 9 के साथ पठित।

इसके द्वारा आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता/सह–उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर(यों) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियां **गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (जिसे अधिनियम के अनुसार आगे ''सुरक्षित लेनदार'' कहा जाएगा)** को गिरवी रखी गई हैं, जिसका कब्जा **अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम के नियम 8 और 9 के साथ पठित, अधिनियम की धारा 13(2) के तहत** सूचना के अनुसरण में सुरक्षित लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है।

सुरक्षित संपत्तियाँ **''जहाँ है जैसी है'', ''जैसी है वैसी है'' और ''जो कुछ भी है'' के आधार पर 19–02–2026** को ई–नीलामी के माध्यम से बेची जाएँगी। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हम **https://www.bankeauctions.com** वेबसाइट पर उपलब्ध ई–नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से सार्वजनिक नीलामी करने जा रहे हैं।

बिक्री की विस्तृत नियम व शर्तों के लिए, कृपया **GHFL/सुरक्षित ऋणदाता** की वेबसाइट **www.grihumhousing.com** पर दिए गए लिंक का संदर्भ देखें।

सं. क्र.	प्रस्ताव संख्या ग्राहक का नाम (ए)	मांग सूचना तिथि एवं बकाया राशि (बी)	कब्जे की प्रकृति (सी)	संपत्ति का विवरण (डी)	आरक्षित मूल्य (ई)	ईएमडी (आरपी का 10%) (एफ)	ईएमडी जमा करने की तिथि (जी)	वृद्धिशील बोली (एच)	संपत्ति निरीक्षण का दिनांक एवं समय (आई)	नीलामी की तिथि और समय (जे)	ज्ञात भार/न्यायालयीन मामले, यदि कोई हों (के)
1	**लोन नंबर** HF0474H21100163 **धर्मेंद्र पाटीदार (कर्जदार) ज्योति पाटीदार (सह–कर्जदार) निर्भय सिंह पाटीदार**	**नोटिस की तारीख: 06–02–2025 कुल बकायारू रु. 847677.00/– (आठ लाख सैंतालीस हजार छह सौ सतहत्तर रुपये मात्र) 06–02–2025 तक देय, साथ में 23.1% प्रति वर्ष की दर से ब्याज, वसूली होने तक।**	भौतिक	मकान नंबर 19 का पूरा अंश भाग, जो ग्राम पंचायत क्षेत्र, सरखेड़ी, पी. एच. नंबर 07, सर्वे नंबर 1257, वार्ड नंबर 04, पंचायत रजिस्टर्ड नंबर 01, ग्राम सरखेड़ी, तहसील पोलायकलां, जिला शाजापुर (म.प्र.) में स्थित है। क्षेत्रफल:– 3232 वर्ग फुट। उक्त प्रॉपर्टी की सीमाएँ: पूर्व– रेशम बाई/पूल जी का घर। पश्चिम– स्थानीय रास्ता। उत्तर– किशनलाल जी जाट का घर। दक्षिण– इंदरसिंह जी का घर।	रू. 1815574.00/–(अठारह लाख पंद्रह हजार पाँच सौ चौहत्तर रुपये मात्र)	रू. 181557.40/– (एक लाख इक्यासी हजार पांच सौ सत्तावन रुपये और चालीस पैसे मात्र)	18-02-2026 शाम 5 बजे से पहले	10,000/–	16-02-2026 (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक)	19-02-2026 (सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)	निरंक
2	**लोन नंबर** HF0615H21100052 **सोनू गुप्ता (कर्जदार) पूजा गुप्ता (सह–कर्जदार)**	**नोटिस की तारीख: 08–08–2025 कुल बकाया: रू.1970694.00/–(उन्नीस लाख सत्तर हजार छह सौ चौरानवे रुपये मात्र) 08–08–2025 तक देय, साथ में 11.4% प्रति वर्ष की दर से ब्याज, वसूली होने तक।**	भौतिक	फ्लैट नंबर 206, द्वितीय तल, आनंद हेरिटेज का पूरा अंश भाग, सर्वे नंबर 319/2 पर, गांव भिचोली मर्दाना, इंदौर, क्षेत्रफल 798 वर्ग फुट। (बिल्ट–अप एरिया) सीमाएँ:– पूर्व– कॉरिडोर पश्चिम– ओपन डक्ट उत्तर– फ्लैट नंबर 207 दक्षिण– कॉरिडोर	रू. 1515203.00/–(पंद्रह लाख पंद्रह हजार दो सौ तीन रुपये मात्र)	रू. 151520.30/– (एक लाख इक्यावन हजार पांच सौ बीस रुपये और तीस पैसे मात्र)	18-02-2026 शाम 5 बजे से पहले	10,000/–	16-02-2026 (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक)	19-02-2026 (सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)	निरंक
3	**लोन नंबर** HL0062900000000039666 **गोपाल जयराम (कर्जदार) कोमल गोपाल (सह–कर्जदार)**	**नोटिस की तारीख: 10–05–2025 कुल बकाया: रू. 675449.00/– (छह लाख पचहत्तर हजार चार सौ उनचास रुपये मात्र) 10–05–2025 तक देय, साथ में 15.6% प्रति वर्ष की दर से ब्याज, वसूली होने तक।**	भौतिक	अचल संपत्ति के सभी अंश भाग – मकान नंबर 17, जो पी.एच. नंबर 15, ग्राम रुद्राख्या तहसील देपालपुर जिला इंदौर (म.प्र.) में स्थित है। क्षेत्रफल 1849 वर्ग फुट। और जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं: – सीमाएँ– मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार। पूर्व में अपनी जमीन, पश्चिम में सड़क, उत्तर में अपनी जमीन, दक्षिण में श्री रामेश्वर की जमीन	रू. 1145725.00/–(ग्यारह लाख पैंतालीस हजार सात सौ पच्चीस रुपये मात्र)	रू. 114572.50/– (एक लाख चौदह हजार पांच सौ बहत्तर रुपये और पचास पैसे मात्र)	18-02-2026 शाम 5 बजे से पहले	10,000/–	16-02-2026 (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक	19-02-2026 (सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)	निरंक

इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को सलाह दी जाती है कि वे सुरक्षित ऋणदाता शाखा और नीलामी संपत्तियों पर जाएँ, अपनी स्वयं की जाँच करें और अतिरिक्त शुल्क, मार और किसी भी तृतीय–पक्ष के हितों का पता लगाएँ और बोली जमा करने से पहले सभी पहलुओं से स्वयं संतुष्ट हो लें। संपत्ति कर, बिजली/पानी के बिल और संपत्ति से जुड़े अन्य सभी बकाया, यदि कोई हों, जैसे सभी वैधानिक बकाया, सफल बोलीदाता द्वारा पता लगाकर चुकाए जाने चाहिए।

इच्छुक बोलीदाताओं को पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत करना होगा और नीलामी सेवा प्रदाता (सी। इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) पता– प्लॉट संख्या–68, तीसरी मंजिल, गुड़गांव, हरियाणा–122003। हेल्पलाइन नंबर–7291981124,25,26 सहायता ईमेल आईडी–**Support@bankeauctions.com**, **संपर्क व्यक्ति–धरणी पी, ईमेल आईडी–dharani.p@c1india.com संपर्क नंबर–9948182222** से लॉगिन आईडी और पासवर्ड, जो ई–बोली के लिए अनिवार्य है, पहले ही प्राप्त कर लेना चाहिए। कृपया ध्यान दें कि संभावित बोलीदाता तभी से ई–नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक खरीदार/बोलीदाता को बयाना राशि (ईएमडी) जमा करनी होगी। एनईएफटी/आरटीजीएस ''गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड–नीलामी आय खाता,'' बैंक–आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड खाता संख्या–091551000028 और आईएफएससी कोड– ICIC0000915, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, पंचशील टेक पार्क, गणपति चौक के पास, 43/44, विमन नगर–411014 के खाते में किसी भी राष्ट्रीयकृत या अनुसूचित बैंक से **18–02–2026** से पहले जमा करें और **https://www.bankeauctions.com** पर अपना नाम पंजीकृत करें और निःशुल्क यूज़र आईडी और पासवर्ड प्राप्त करें और सेवा प्रदाता से ई–नीलामी का प्रशिक्षण प्राप्त करें। वेबसाइट पर पंजीकरण के बाद, इच्छुक क्रेता/बोलीदाता को निम्नलिखित दस्तावेजों की प्रतियां ई–मेल पर अपलोड करवानी होंगी और स्व–सत्यापित हार्ड कॉपी पते पर भेजनी होगी: **पता: प्रथम तल, विक्रम टावर, मह्–नीमच रोड, पीथमपुर – 454775 मोबाइल नंबर +91 8281138143 ई–मेल आईडी p.adith@grihumhousing.com नियमों और शर्तों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया ई–नीलामी में भाग लेने के लिए https://www.bankeauctions.com और www.grihumhousing.com पर जाएँ।**

इस सूचना को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम–2002 के नियम 8(6) के अंतर्गत ऋणी/सह–ऋणी/बंधककर्ता/गारंटर को 30 (तीस) दिन का नोटिस भी माना जाना चाहिए।

किसी भी मामले में यदि स्थानीय भाषा के प्रकाशन और अंग्रेजी समाचार पत्र प्रकाशन की सामग्री में कोई अंतर है, तो प्रो प्रेस जर्नल में प्रकाशित अंग्रेजी समाचार पत्र भाषा की सामग्री मान्य होगी।

दिनांक: 19.01.2026 स्थान: इंदौर **हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी, गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड**